હેમચન્દ્રાચાર્ય ઉત્તર ગુજરાત યુનિવર્સિટી, પાટણ. જૂન ૨૦૨૦ થી ક્રમંશઃ અમલમાં આવનાર

અભ્યાસક્રમ

સંસ્કૃત બી..એ. સેમેસ્ટર-૩

Sr.	Paper Code	કોર્ષનું નામ	કોર્ષ ક્રેડીટ
1	303- Core Compulsory	(૧) બુદ્ધચરિત - સર્ગ-1, અશ્વઘોષ વિરચિત	4
2	304- Core Compulsory	(૧) काव्यप्रकाश - आचार्य मम्मट - उल्लास-1, 2, મમ્મટ વિરચિત કાવ્યશાસ્ત્રના સંપ્રદાયો (રસસંપ્રદાય, અલંકારસંપ્રદાય, રીતિસંપ્રદાય, ધ્વનિસંપ્રદાય, વક્રોક્તિસંપ્રદાય, ઔચિત્યસંપ્રદાય)	4
3	305- Core Compulsory	(૧) વૈદિક સાહિત્યનો ઈતિહાસ वेदों नो कालः मैक्समूलर, ए.वेबर, जैकोबी, बालगंगाधर तिलक, एम.विन्टरनिट्ज, भारतीय परंपरागत विचार संहिता साहित्य-ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद (परिचय) ब्राह्मण साहित्य - प्रतिपाद्य- विषय, विधि एवं उसके प्रकार, अग्निहोत्र, अग्निष्टोम, दर्शपूर्णमास यज्ञ, पंचमहायज्ञ, आरण्यक साहित्य नो परिचय वेदांगः शिक्षा, कल्प, व्याकरण, न्तिरुक्त, छन्द, ज्योतिष (परिचय)	4
4	303-Core Elective	(૧) બુદ્ધચરિત-સર્ગ-1	4
5	304- Core Elective	(૧) काव्यप्रकाश- आचार्य मम्मट उल्लास-1, 2, મમ્મટ વિરચિત કાવ્યશાસ્ત્રના સંપ્રદાયો (રસસંપ્રદાય, અલંકારસંપ્રદાય, રીતિસંપ્રદાય, ધ્વનિસંપ્રદાય, વક્રોક્તિસંપ્રદાય, ઔચિત્યસંપ્રદાય)	4
6	ઈલેક્ટીવ જીનેરીક	હેમ.ઉ.ગુ.યુનિવર્સીટી પરિપત્ર ક્રમાંક ૧૭૦/૨૦૧૨ પ્રમાણે	

સુધારો – 9

2	304- Core Compulsory	(૧) काव्यप्रकाश - आचार्य मम्मट - उल्लास-1, 2, મમ્મટ વિરચિત કાવ્યશાસ્ત્રના સંપ્રદાયો (रससंप्रदाय, अलंकारसंप्रदाय, रीतिसंप्रदाय, ध्वनिसंप्रदाय, वक्रोक्तिसंप्रदाय, औचित्यसंप्रदाय)	4

સુધારો –

અહીં (૧) काव्यप्रकाश - आचार्य मम्मट - उल्लास-1, 2, મમ્મટ વિરચિત કાવ્યશાસ્ત્રના સંપ્રદાયો (रससंप्रदाय, अलंकारसंप्रदाय, रीतिसंप्रदाय, ध्वनिसंप्रदाय, वक्रोक्तिसंप्रदाय, औचित्यसंप्रदाय) ને બદલે

(1) काव्यप्रकाश - आचार्य मम्मट - उल्लास-1 अने उल्लास 10 (नियतांश – नियतालंकारो – 1. उपमा, 2. उत्प्रेक्षा, 3. રૂપક, 4. अपह्नुति, 5. समासोक्ति, 6. श्लेष, 7. स्वभावोक्ति, 8. अर्थान्तरन्यास)

(2) કાવ્યશાસ્ત્રના સંપ્રદાયો

(रससंप्रदाय, अलंकारसंप्रदाय, रीतिसंप्रदाय, ध्वनिसंप्रदाय, वक्रोक्तिसंप्रदाय, औचित्यसंप्रदाय) રાખવું.

સુધારો – 10

3	305- Core Compulsory	(૧) वैदिक साहित्यनो ईतिहास वेदों नो कालः मैक्समूलर, ए.वेबर, जैकोबी, बालगंगाधर तिलक, एम.विन्टरनिट्ज, भारतीय परंपरागत विचार संहिता साहित्य-ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद (परिचय) ब्राह्मण साहित्य - प्रतिपाद्य- विषय, विधि एवं उसके प्रकार, अग्निहोत्र, अग्निष्टोम, दर्शपूर्णमास यज्ञ, पंचमहायज्ञ, आरण्यक साहित्य नो परिचय वेदांगः शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छन्द, ज्योतिष (परिचय)	4

સુધારો –

અહીં (૧) वैदिक साहित्यनो ईतिहास

वेदों नो कालः मैक्समूलर, ए.वेबर, जैकोबी, बालगंगाधर तिलक, एम.विन्टरनिट्ज, भारतीय परंपरागत विचार

संहिता साहित्य-ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद (परिचय)

ब्राह्मण साहित्य - प्रतिपाद्य- विषय, विधि एवं उसके प्रकार, अग्निहोत्र, अग्निष्टोम, दर्शपूर्णमास यज्ञ, पंचमहायज्ञ,

आरण्यक साहित्य नो परिचय

वेदांगः शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छन्द, ज्योतिष (परिचय) ને બદલે -

(૧) વૈદિક સાહિત્યનો ઈતિહાસ

(0. वेदों नो कालः मैक्समूलर, ए.वेबर, जैकोबी, बालगंगाधर तिलक, एम.विन्टरनिट्ज, भारतीय परंपरागत विचार

0. संहिता साहित्य – ऋग्वेद (परिचय)

0. ब्राह्मण साहित्य - प्रतिपाद्य- विषय, विधि एवं एना प्रकार, अग्निहोत्र, अग्निष्टोम, दर्शपूर्णमास यज्ञ, पंचमहायज्ञ,

0. वेदांग साहित्य परिचय – शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छन्द, ज्योतिष (परिचयमात्र)

(2) ऋग्वेद (नियत सूक्त)

0. पुरूरवा – उर्वशी संवाद (ऋ. 10.95)

0. विश्वामित्र-नदी संवाद (ऋ. 3.33)

0. इन्द्रसूक्तम् - (ऋ.2.12.)

0. संज्ञानसूक्तम् (ऋ. 10.191) - રાખવું.

સુધારો – 11

2	304- CE	(૧) काव्यप्रकाश - आचार्य मम्मट - उल्लास-1, 2, મમ્મટ વિરચિત કાવ્યશાસ્ત્રના સંપ્રદાયો (रससंप्रदाय, अलंकारसंप्रदाय, रीतिसंप्रदाय, ध्वनिसंप्रदाय, वक्रोक्तिसंप्रदाय, औचित्यसंप्रदाय)	4

સુધારો –

અહીં (૧) काव्यप्रकाश - आचार्य मम्मट - उल्लास-1, 2, મમ્મટ વિરચિત કાવ્યશાસ્ત્રના સંપ્રદાયો (रससंप्रदाय, अलंकारसंप्रदाय, रीतिसंप्रदाय, ध्वनिसंप्रदाय, वक्रोक्तिसंप्रदाय, औचित्यसंप्रदाय) ને બદલે

(1) काव्यप्रकाश - आचार्य मम्मट - उल्लास-1 अने उल्लास 10 (नियतांश – नियतालंकारो – 1. ઉપમા, 2. ઉત્પ્રેક્ષા, 3. રૂપક, 4. અપહ્નુતિ, 5. સમાસોક્તિ, 6. શ્લેષ, 7. સ્વભાવોક્તિ, 8. અર્થાન્તરન્યાસ)

(2) કાવ્યશાસ્ત્રના સંપ્રદાયો

(रससंप्रदाय, अलंकारसंप्रदाय, रीतिसंप्रदाय, ध्वनिसंप्रदाय, वक्रोक्तिसंप्रदाय, औचित्यसंप्रदाय) રાખવું.